
ज्वालामुखी योग - 18

अव्यक्त बापदादा :-

» _ » चैतन्य लाइट हाउस बनो अभी हर आत्मा शक्ति स्वरूप हो जाए। जिसके भी सम्पर्क में आते हो वह अलौकिकता का अनुभव करे। अभी वह पार्ट चलना है। सुनाया ना अभी अच्छा - अच्छा कहते हैं, लेकिन अच्छा बनना है यह प्रेरणा नहीं मिल रही है।

» _ » उसका एक ही साधन है - संगठित रूप में ज्वाला स्वरूप बनो। एक-एक चैतन्य लाइट हाउस बनो। सेवाधारी हो, स्नेही हो, एक बल एक भरोसे वाले हो, यह तो सब ठीक है, लेकिन **मास्टर सर्वशक्तिवान की स्टेज, स्टेज पर आ जाए तो सब आपके आगे परवाने के समान चक्र लगाने लग जाएँ।**

» _ » अभी सिर्फ बाप शमा की आर्कषण है और सर्व शमा की आकर्षण हो जाए तो क्या होगा ? शमा तो हो लेकिन अभी स्टेज पर नहीं आये हो। स्टेज पर आओ तो देखो आबूवाले कैसे आपके पीछेपीछे दौड़ते हैं। **आप लोगों को जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी वह स्वयं आकर कहेंगे जी हज़ूर, कोई सेवा!** (28.11.1981)

➤ ➤ लाइट हाउस - स्थूल और सूक्ष्म (चैतन्य)

» _ » किसी खतरनाक स्थान पर होता है (जैसे समुंदर)

→ यह संसार भी कलयुगी भव सागर है

■ भव अर्थात :- जहां जन्म और मरण की प्रक्रिया होती है

» _ » बहुत ऊंचा होता है

→ हमें भी अपनी स्थिति को बहुत ऊंचा उठाना है...

» _ » उसका कार्य होता है :- रात के समय नावो को रास्ता दिखाना ...

अन्धकार को प्रचंड प्रकाश से मिटाना

→ हमें भी चारों ओर ज्ञान का पावरफुल प्रकाश फैलाना है

» _ » आशा और शक्ति का प्रतीक है (Symbol Of Hope & Strength)

→ हमें भी आत्माओं के अन्दर आशा के दीप जगाने हैं... उन्हें शक्तियों से भरपूर करना है

» _ » लाइट हाउस पक्षपात नहीं करता

→ हमें भी सभी को समान रूप से ज्ञान प्रकाश से भरपूर करना है

» _ » किसी के साथ ज़बरदस्ती नहीं करता की आपको इसी रास्ते पर चलना है

→ हमें भी इसी तरह से **साक्षी** होकर रहना है

» _ » तूफ़ान आंधी से उसे कोई फर्क नहीं पड़ता

→ हमें भी भिन्न भिन्न **परिस्थितियों** में **अचल अडोल** रहना है

» _ » जितना प्रकाश बाहर है... उससे कई गुना प्रकाश उसके अन्दर है

→ हमें भी स्वयं को **आंतरिक रूप से भरपूर** करना है

» _ » सदा देते रहता हैं

→ हमें भी स्वयं को सदा **दातापन की स्थिति** में स्थित रखना है

» _ » पथ के पथिकों का मार्गदर्शक

→ हमें भी सभी को मुक्ति जीवन मुक्ति के रास्ते को लेकर **गाइड**

करना है

» _ » Warn करना (चट्टानों को लेकर)

→ हमें भी दूसरी आत्माओं को आने वाले समय को लेकर **आगाह**

करना है

» _ » कभी चिल्लाता नहीं

→ हमें भी **मौन क्रान्ति** लानी है

» _ » इसका प्रयोग रात में होता है

→ अभी **ब्रह्मा की रात** चल रही है
